

### पद ३४३

(राग: झिंजोटी - ताल: त्रिताल)

मन काहेका डर है तुझे । अल्लाह तेरा रखवाली है । मानिक कहे  
यह जानकर । नबी अल्लीका ध्यान कर । महबूबकी पहचान कर ।  
सिर पर मदत सब वली है ॥१॥